अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) दोनों की स्थापना 1944 में बेटन वूड्स, न्यू हैम्पशायर में विश्व के नेताओं की एक कॉन्फ्रेंस में की गयी। दोनों "बेटन वूड्स संस्थाओं" जैसा कि उन्हें कभी-कभी कहा जाता है का लक्ष्य द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान करना था। बैंक की सदस्यता उन देशों के लिए खुली हुई है जो कि आई एम एफ के सदस्य हैं।

बैंक और फंड का कार्य पूरक है, परन्तु उनकी भूमिकायें बिल्कुल भिन्न हैं। विश्व बैंक एक ऋण देने वाली संस्था है जिसका लक्ष्य देशों को अधिक व्यापक विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ना और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है जो विकासशील देशों में गरीबी को मिटाता है। आई एम एफ सभी देशों के बीच भुगतानों की एक नियमानुसार व्यवस्था को बनाये रखने में सहायता करके विश्व की मुद्राओं के निरीक्षक के रूप में कार्य करता है, तथा उन सदस्यों को धन उधार देता है जो गम्भीर भुगतान-संतुलन घाटे का सामना करते हैं। जहां विश्व बैंक नीति सुधारों और परियोजनाओं दोनों के लिए ऋण देता है, वहीं पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष अपना सम्बन्ध केवल नीतियों से रखता है। यह उन सदस्य देशों को ऋण प्रदान करता है जिन्हें अपनी विदेशी भुगतान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई अल्पकालिक कठिनाई है तथा 1973 से प्रभावी लचीली विनिमय दर व्यवस्था के अन्तर्गत अपने सदस्यों की मुद्राओं के बीच पूरी परिवर्तनीयता प्राप्त कराने की कोशिश करता है।

विश्व बैंक केवल विकासशील या बदलाव ले रहे देशों को उधार देता है, परन्तु सभी सदस्य देश (धनी और निर्धन) आई एम एफ की सेवाओं और संसाधनों के लिए विनती कर सकते हैं। फंड अपने काम को समुचित रूप से कर सके, इसके लिए विश्व के देशों के विशाल बहुमत को इसके कार्य में हिस्सा लेना चाहिये। चूंकि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश देश की सीमाओं को पार करते हैं, लगभग हर देश को आयात और निर्यात के वित्त पोषण के लिए विदेशी मुद्राओं को खरीदना और बेचना चाहिये। आई एम एफ ऐसे लेन-देन का निरीक्षण रखता है तथा अपने सदस्यों से उनके द्वारा एक तरल और स्थायी विश्वव्यापी आर्थिक व्यवस्था के लिये किये जाने वाले अंशदान के तरीकों के बारे में परामर्श करता है।

बैंक ने अलग-अलग परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करके काम शुरू किया, जहां पर यह संस्था अभी भी अपने अधिकांश संसाधनों को लगाती है, परन्तु यह अब आर्थिक नीतियों में सामान्य सुधारों के लिये भी ऋण देती है। इन सुधार ऋणों का लक्ष्य अन्य चीजों के साथ-साथ, बजट घाटों को कम करने, मुद्रा स्फीति को रोकने या सार्वजनिक संसाधनों को मज़बूत करने के लिए सीमित संसाधनों को लागत कम करने वाले निवेशों में लगाना है। इन विकृतियों को ठीक करने हेतु समायोजन ऋण विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को संसाधनों का अधिक कारगर रूप से प्रयोग करने तथा दीर्घकालिक विकास प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।

विश्व बैंक और आई एम एफ में सहयोग वित्तीय वर्ष 2002 में अधिक प्रबल हो गया। दोनों संस्थाओं ने एच आई पी सी पहल के अन्तर्गत भारी रूप से ऋणग्रस्त गरीब देशों के लिये ऋण राहत मंजूर करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कार्यपालक मंडलों ने 16 देशों के लिए ऋण में कमी करने के पैकेज मंजूर किये तथा 29 देशों की गरीबी मिटाने की कार्य-योजनाओं पर चर्चा की। उनके सहयोग के सन्दर्भ में, प्रत्येक संस्थान अपने तुलनात्मक लाभ के क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है: आई एम एफ देश के अधिकारियों के साथ स्थूल आर्थिक और सम्बन्धित संरचनागत मुद्दों पर संवाद के लिये उत्तरदायी है, जबकि विश्व बैंक सामाजिक और संरचनागत मुद्दों में अग्रणी है।

अगस्त **2001** में बैंक और फंड के मंडल देश के कार्यक्रमों और प्रतिबन्धता पर बैंक और फंड के सहयोग को मजबूत करने के लिये सहमत हुए। इस कार्ययोजना का मन्तव्य दोनों संस्थाओं के बीच पूरे देश के कार्यक्रम चक्र में शीघ्र सहयोग, अग्रणी संस्था नामांकित करके जिम्मेदारियों का स्पष्ट वर्णन, और प्रत्येक संस्था के विचारों को बोर्ड के दस्तावेजों में पारदर्शी रिपोर्टिंग द्वारा सहयोग को मजबूत करना है। तो भी, प्रत्येक संस्था अन्तत: अपने ऋण देने के निर्णयों के प्रति और संसाधनों की सुरक्षा के प्रति उत्तरदायी रहती है। फंड की गरीबी मिटाने और विकास सुविधा द्वारा समर्थित कम आय के देशों के लिये पी आर एस पी कार्य योजना के अन्तर्गत बैंक और फंड से अपने उत्तरदायित्व के अलग-अलग क्षेत्रों में अपने प्रयासों पर केन्द्रित करने के साथ-साथ देश की सामान्य कार्ययोजना को लागू करने में सहयोग के लिए एक साथ मिलकर काम करने की अपेक्षा की जाती है। मध्यम-आय वाले देशों के लिये देश की परिस्थितियों में बदलावों के सामन्जस्य के लिये अधिक लचीलेपन की जरूरत होगी, परन्तु बैंक और फंड के बीच बेहतर सहयोग और जानकारी बांटने से लाभों की आशा की जाती है।

आई एम एफ के बारे में अधिक जानकारी *http://www.imf.org* *पर मिल सकती है।*